अध्याय 5
सभा का खेल

शब्दों के अर्थ लिखिए

सभा - जहां बहुत सारे लोग एकत्रित होकर आपस में विचार विमर्श करते हैं
खद्दर- सूती धागे से बना कपड़ा |
सारी - साड़ी |
मचावे - मचाना |
लंगोटी - कमर के नीचे पहने जाने वाला कपड़ा |
चरखा - सूत कातने का यंत्र |
गमछा - गले में लपेटने वाला सूती का कपड़ा |

सही उत्तर पर सही का निशान लगाओ

1 सभा का खेल नामक कविता की लेखिका कौन है |
क सुभद्रा कुमारी चौहान ✓ ख किरन बाबल ग महादेवी वर्मा
2 गांधीजी क्या चलाते थे ?
क गाड़ी ख साइकिल ग चरखा ✓
3 महात्मा गांधी को सभी लोग प्यार से क्या कहते हैं ?
क बापू ✓ ख भैया ग जीजी
4 गांधीजी अपने आंखों में क्या लगाते थे ?
क चश्मा ✓ ख टोपी ग काजल
5.गांधीजी ने बार-बार क्या छोड़ने के लिए बोल रहे थे
क विदेशी चीजें ✓ ख सिनेमा ग गाड़ी

दिए गए शब्दों से पंक्ति पूरी करें -

प्रारंभ , गांधी , हिंदू - मुस्लिम , खद्दर , विदेशी , तागा

1. हुई सभा <u>प्रारंभ</u> कहा , <u>गांधी</u> से चरखा चलवाओ |

2. हिंदू-मुस्लिम मेल बढ़ाओ , सभी शुद्ध खद्दर पहनो |

3. छोड़ो सभी विदेशी चीजें , लो देशी सुई तागा |

प्रश्नों के उत्तर लिखिए

1. सभा का खेल नामक कविता किसकी रचना है?

उत्तर- सभा का खेल नामक कविता सुभद्रा कुमारी चौहान की रचना |
2. यह पंक्तियां किस समय लिखी गई होंगी |

उत्तर - यह पंक्तियां स्वतंत्रता संग्राम के समय लिखी गई थी लिखी गई होंगी|
3. सभा का खेल पंक्ति क्यों लिखी गई हैं ?
उत्तर- सभा का खेल की पंक्तिया खेल के माध्यम से कवियित्री भारत - वासियों के मन में अपने देश के प्रति प्रेम और सम्मान की भावना जागृत करने के लिए लिखी गई है|

4 . गाँधी जी ने विदेशी चीजें छोड़ने के लिए क्यों कहा है ?

उत्तर- गांधीजी विदेशी चीजें छोड़ने के लिए इस लिए कहा है क्योंकि यदि हम अपने देश में बने कपड़े पहनते हैं तो हमें इसका मूल्य नहीं चुकाना पड़ेगा और हमारे देशवासियों को रोजगार मिलेगा |

5. खेल - खेल में कवियित्री क्या कहना चाहती हैं ?

उत्तर- खेल - खेल में कवियत्री कहना चाहती हैं - हमें सभी धर्म के लोगों से आपस में मिल जुल कर रहना चाहिए चाहे वह किसी भी धर्म का हो और अपनी देश में बनी चीजों का उपयोग करना चाहिए |

6. सभा का खेल शीर्षक से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर - " सभा का खेल " माध्यम से कवियित्री हमें संदेश देना चाहते हैं कि हमें गांधी नेहरू और सरोजिनी नायडू के जैसे बनना चाहिए |

7. कविता की किन इन पंक्तियों ने आप को सबसे अधिक प्रभावित किया ?

उत्तर- छोड़ो सभी विदेशी चीजें लो देशी सुई और तागा यह पंक्तियां मुझे बहुत अधिक प्रभावित की क्योंकि इसमें गांधीजी विदेशी चीजों को छोड़कर के स्वदेशी से अपनाने के लिए कहा हैं |

सही जोड़ी मिलाओ -

मैं गांधीजी छोटे नेहरु	एक बहुत बढ़िया सारी	
लेकिन जीजी तुम्हें चाहिए	तुम सरोजनी बन जाओ	
हुई सभा प्रारंभ कहा	सभी शुद्ध खद्दर पहनाओ	
हिंदू-मुस्लिम मेल बढ़ाओ	गांधी से चरखा चलवाओ	
चलो सिनेमा जाएँगे	मोटर गाड़ी दौड़ावें	
उछले कूदे शोर मचावें	घोरी दीक्षित को देखेगे	

उत्तर- मैं गाँधी बन छोटे नेहरु — तुम सरोजिनी बन जाओ |
लेकिन जीजी तुम्हें चाहिए — एक बहुत बढ़िया सारी |
हुई सभा प्रारंभ कहा — गांधी से चरखा चलवाओ |
हिंदू-मुस्लिम मेल बढ़ाओ — सभी शुद्ध खद्दर पहनो |
चलो सिनेमा जाएँगे — घोरी दीक्षित को देखेंगे |
उछले कूदे शोर मचावे — मोटर गाड़ी दौड़ावे |

दिए गए उत्तम पुरुष वाचक वाक्य को मध्यम पुरुष वाचक वाक्य में बदलकर लिखो -

क. मैं आज सिनेमा देखने जाऊँगा |
उत्तर - तुम आज सिनेमा देखने जाओगे |

ख. मुझे क्रिकेट खेलना अच्छा लगता है |
उत्तर - मुझे क्रिकेट खेलना अच्छा लगता है |

ग . मेरे काका जी का घर दिल्ली में है |
उत्तर - तुम्हारे काका जी का घर दिल्ली में है |

घ .मैं और मेरी दीदी फुटबॉल खेलते हैं |
उत्तर - तुम और तुम्हारी दीदी फुटबॉल खेलते हो |

9. सर्वनाम शब्दों से वाक्य बनाओ -

मैं , तुम , हम ,वह , यह

क . मैं बाजार जाऊंगी |
ख. तुम चित्र बनाओ |
ग. हम सैर कर रहे हैं |
घ. वह यहां से चला गया |
ड. यह मेरा पता हैं |